आउटकम बजट 2024–25

विभाग का नामः–उत्तराखण्ड अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र विभाग के अन्तर्गत प्रस्तावित प्रमुख एस.डी.जी.....1,2,4,11,13,15.....

.....

(धनराशि लाख रू0 में)

क्र. सं.	योजना का नाम	योजना का उद्देश्य	आउटले/बजट		1–4–2023 की वास्तविक स्थिति (भौतिक)	31–3–2024 की संभावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटपुट वर्ष 2024–25	परिकल्पित (प्रोजेक्टेड) आउटकम वर्ष 2024–25	आउटकम हेतु संभावित समयावधि टिप्पणी (यदिकोई है)
			राजस्व	पूंजी गत					
1.	**उत्तराखण्ड गवर्नमेंट एसेट मैनेजमेंट सिस्टम (यू.के.जी.ए. एम.एस.)**	• राज्य की समस्त सरकारी परिसम्पत्तियों को मानचित्रित करते हुए नवीनतम हाई रेसोल्यूशन सैटेलाइट डाटा के आधार पर भू बदलाव को चिन्हित करना	125.00		परियोजना नवम्बर 2023 में आरम्भ हुई	राज्य के समस्त जनपदों में स्थित सरकारी परिसंपत्तियों को रेखीय विभागों के सहयोग से चिन्हित कर उन की बाउंड्री सृजन कराना	• चिन्हित परिसंपत्तियों की सैटेलाइट डाटा के आधार पर मॉनिटरिंग एवं रिपोर्टिंग लाभान्वित विभाग 50 परिसम्पतियों की संख्या लगभग 50 हजार	परिसंपत्तियों के मॉनिटरिंग एवं रिपोर्टिंग हेतु जी.आई.एस.आधारित वेब बेस्ड जिओपोर्टल, मोबाइल एप्लीकेशन एवं डैशबोर्ड का सृजन	
2.	**लैण्ड यूज एण्ड रूरल/ अर्बन प्लानिंग**	• उच्च विभेदी उपग्रह आंकड़ों के उपयोग से राज्य के चयनित शहरों के लिये लार्ज स्केल मैपिंग करना व विभिन्न जनपदों के लियेलैण्ड यूज/लैण्ड कवर डेटाबेस तैयार करना। • भू–संसाधन प्रबंधन में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी की भूमिका विषय पर प्रशिक्षण/वर्कशॉप का आयोजन करना।	5.00		• 01 शहर क्षेत्र की (हल्द्वानी) लार्ज स्केल मैपिंग। • 1 जनपद (देहरादून) का लैण्ड यूज/लैण्ड कवर मानचित्रीकरण।	• 01 शहर क्षेत्र की (टिहरी एवं उत्तरकाशी) की लार्ज स्केल मैपिंग। • 01 जनपद (चमोली) का लैण्ड यूज/लैण्ड कवर मानचित्रीकरण।	• 02 शहर क्षेत्र (रुद्रप्रयाग एवं नैनीताल) की लार्ज स्केल मैपिंग । • 01 जनपद (पौड़ी) का लैण्ड यूज/लैण्ड कवर मानचित्रीकरण।	• उच्च विभेदी उपग्रह आंकड़ों के उपयोग से राज्य के चयनित शहरों के लिये लार्ज स्केल मैपिंग करना व विभिन्न जनपदों के लियेलैण्ड यूज/लैण्ड कवर डेटाबेस तैयार करना। • भू–संसाधन प्रबंधन में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी की भूमिका विषय पर प्रशिक्षण/वर्कशॉप का आयोजन करना।	

3.	**जल संसाधन प्रबन्धन**	• हिमाच्छादित क्षेत्रों का मानचित्रीकरण व मूल्यांकन । • मत्स्य पालन तालाबों का जीपीएस आधारित डेटाबेस। • जलसोत्रों का वाटर क्वालिटी फील्ड डेटा एकत्रिकरण कर मानचित्रीकरण • जल संसाधन प्रबंधन में रिमोट सेंसिंग और जी.आई.एस. के अनुप्रयोग पर ब्लॉक स्तर या विद्यालय स्तर कार्यशाला का आयोजन करना।	6.00		• 01 जनपद (देहरादून) के सतही जलग्रही क्षेत्रों का मानसून से पूर्व व बाद का मानचित्रीकरण व मूल्यांकन किया गया। • 03 बेसिन (अलकनन्दा, भागीरथी, यमुना) के हिमाच्छादित क्षेत्रों का मानचित्रीकरण व मूल्यांकन किया गया।	• 02 जनपदों (टिहरी व अल्मोड़ा) के लिये मानसून से पूर्व व बाद के सतही जल ग्रही क्षेत्रों का मानचित्रीकरण व मूल्यांकन। • वर्ष 2020.21 के लिये 02 बेसिन (अलकनन्दा व पिडांरी) के हिमाच्छादित क्षेत्रों का मानचित्रीकरण व मूल्यांकन ।	• 01 बेसिन (यमुना) के हिमाच्छादित क्षेत्रों का मानचित्रीकरण व मूल्यांकन । • 01 जनपद (उत्तरकाशी) में स्थिति नोलों व धारों व मत्स्य पालन तालाबों का जीपीएस आधारित डेटाबेस। • 01 जनपद (उत्तरकाशी) के 04 वाटरशैड में स्थित जलसोत्रों का वाटर क्वालिटी फील्ड डेटा एकत्रिकरण कर मानचित्रीकरण • जल संसाधन प्रबंधन में रिमोट सेंसिंग और जी.आई.एस. के अनुप्रयोग पर 01 ब्लॉक स्तर या विद्यालय स्तर कार्यशाला का आयोजन करना।	• हिमाच्छादित क्षेत्रों का मानचित्रीकरण व मूल्यांकन । • मत्स्य पालन तालाबों का जीपीएस आधारित डेटाबेस। • जलसोत्रों का वाटर क्वालिटी फील्ड डेटा एकत्रिकरण कर मानचित्रीकरण • जल संसाधन प्रबंधन में रिमोट सेंसिंग और जी.आई.एस. के अनुप्रयोग पर ब्लॉक स्तर या विद्यालय स्तर कार्यशाला का आयोजन करना।	
4.	**वानिकी–पारिस्थितिकीय एवंजलवायुपरिवर्तन** (अ)	• पूर्व नैदानिक आषैधीय दवा के लिए राज्य हित में चयनित जडी बूटी एवं औषधीय पादपों का मानचित्रीकरण। • प्राकृतिक संसाधनो का चिन्हिकरण एवं मानचित्रीकरण कर कैचमेंट एरिया ट्रिटमेंट करना। • राजाजी टाइगर रिजर्व के वन क्षेत्रों में पाए जान वाले पादप एवं जन्तु जीवाश्मों का अध्ययन एवं संरक्षण।	8.00		• पौड़ीजिले के 05 ब्लाकों के लिये साल, पाइन और ओक फॉरेस्ट के बायोमास का मानचित्रीकरण आंकलन किया गया। • 01 जिले के लिये चयनित मेडिसिनल व ऐरोमेटिक पादपों का चिन्हिकरण किया गया।	• 12 जनपदों के लिए चयनित मेडिसिनल व ऐरोमेटिक पादपों का चिन्हिकरण मानचित्रीकरण। • राजाजी टाइगर रिजर्व के 1 Motichor Range में पाए जाने वाले , आक्रामक प्रजातियों की संभावित क्षेत्रों की पहचान एवं ग्राउंड सर्वे द्वारा वेलिडेशन कर रिपोर्ट सृजन करना।	• 13 जनपदों के लिए जडी बूटी एवं औषधीय पादपों का चिन्हिकरण एवं मानचित्रिकरण पूर्व नैदानिक आषैधीय दवा के लिए करना। • 01 जिले (अल्मोडा) के 35 गांव मे खुलगाड जलागम के प्राकृतिक संसाधनो का आजीविका सृजन और आर्थिकीय उत्थान के लिए चिन्हिकरण एवं मानचित्रिकरण कर कैचमेंट एरिया ट्रिटमेंट करना। • राजाजी टाइगर रिजर्व के वन क्षेत्रों में पाए जाने वाले पादप एवं जन्तु जीवाश्मों का अध्ययन एवं संरक्षणे।	• पूर्व नैदानिक आषैधीय दवा के लिए राज्य हित में चयनित जडी बूटी एवं औषधीय पादपों का मानचित्रीकरण। • प्राकृतिक संसाधनो का चिन्हिकरण एवं मानचित्रीकरण कर कैचमेंट एरिया ट्रिटमेंट करना। • राजाजी टाइगर रिजर्व के वन क्षेत्रों में पाए जान वाले पादप एवं जन्तु जीवाश्मों का अध्ययन एवं संरक्षण।	
4.	**(ब)उत्तराखण्ड में स्थित प्राकृतिक स्थलों/देवस्थलों का डेटाबेस सृजन।**	• मल्टीडिसिप्लेनेरी असेसमेंट इन सेक्रेड नेचुरल साइट्स फॉर प्रोमोटिंग नेचर–कल्चर लिंकेजेज इन उत्तराखण्ड। • नेचुरल रिसोर्स एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर लेयर्स अपडेशन यूसिंग वेरी हाई रिजोल्यूशन सैटेलाइट डाटा ऑफ उत्तराखण्ड स्टेट।	10.00		• 90 प्राकृतिक स्थलों/देवस्थलों की जैव–विविधता /प्राकृतिक तंत्र सेवाओं का आंकलन किया गया।	• 105 प्राकृतिक स्थलों/देवस्थलों की जैव–विविधता /प्राकृतिक तंत्र सेवाओं का आंकलन किया जायेगा।	• समस्त ज्ञात प्राकृतिक स्थलों/देव की जैव–विविधता /प्राकृतिक तंत्र सेवाओं का आंकलन करना। • हाई रिजोल्यूशन सैटेलाइट इमेजरी का उपयोग कर 1:2,000 पैमाने या बेहतर पर भू–उपयोग, भू–आवरण, ड्रेनेज, सड़क/रेल नेटवर्क एवं बसासत का आंकलन करना।	• समस्त ज्ञात प्राकृतिक स्थलों/देव की जैव–विविधता /प्राकृतिक तंत्र सेवाओं का आंकलन • नेचुरल रिसोर्स एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर लेयर्स अपडेशन	
5.	**कृषि एवं वानिकी** (अ)	• टेम्पोरल सैटेलाइट डेटा का उपयोग कर राज्य में रबी सीजन में सक्रिय कृषि भूमि का आंकलन करना।	10.00		• 02 जिलों (रुद्रप्रयाग और पिथौरागढ) की रबी सीजन में सक्रिय कृषि भूमि का	• 01 जिले (चम्पावत) के लिए सक्रिय कृषि भूमि का आंकलन करना। • 01 ब्लॉक (जिला ऊधमसिंह	• 04 जिलों (उत्तरकाशी, नैनीताल, देहरादून, एवं बागेश्वर) की रबी सीजन में सक्रिय कृषि भूमि का आंकलन।	• राज्य में सक्रिय कृषि भूमि का भूस्थानिक का आंकलन एवं भूमि में हुए परिवर्तन परिवर्तन का पता लगाना।	

		• टेम्पोरल सैटेलाइट डेटा के रबी सीजन में राज्य में सक्रिय कृषि भूमि में परिवर्तन का पता लगाना।			आंकलन।	नगर) में मशीन लर्निंग विधियों का उपयोग कर कृषि एवं उसके प्रकार का आंकलन।	• 01 जिले (अल्मोडा) के लिए वर्ष 2022–23 के टेम्पोरल सैटेलाइट डेटा से रबी सीजन (वर्ष 2019–20) की सक्रिय कृषि भूमि में परिवर्तन का पता लगाना।	• महत्वपूर्ण कृषि और बागवानी फसलों की पहचान और मानचित्रण।	
	कृषि एवं वानिकी (ब)	• मल्टी–टेम्पोरल सैटेलाइट डेटा का उपयोग कर बंजर भूमि का मानचित्रीकरण करना। • लैंड सुटेबिलिटी मैपिंग करना • विभिन्न फसलों का कटाई से पूर्व बोये गए क्षेत्रफल का आकलन करना	6.50		• परियोजना 2023.24 में आरम्भ हुई	• 03 जनपदों के एक–एक गांव को लेकर लैण्ड सुटेबिलिटी मैंपिग करना।	• 04 जिलों (अल्मोड़ा पौड़ी गढ़वाल, टिहरी गढ़वाल और उत्तरकाशी) के लिए बंजर भूमि का मानचित्रीकरण करना। • 04 जिलों (अल्मोड़ा पौड़ी गढ़वाल, टिहरी गढ़वाल और उत्तरकाशी) के एक–एक गांव को लेकर लैण्ड सुटेबिलिटी मैंपिग करना। • विभिन्न फसलों का कटाई से पूर्व बोये गए क्षेत्रफल का आकलन करना	• महत्वपूर्ण कृषि और बागवानी फसलों की पहचान और मानचित्रण।	
6.	**ऐलीवे इन्क्रॉचमेंट स्टडी ऑफ हरिद्वार**	• विभिन्न शहरों के चयनित क्षेत्रों में ऐलीवे इन्क्रॉचमेंट क्षेत्रों का चिन्हीकरण। • जीआईएस आधारित सर्वेक्षण के आधार पर आतिकर्मित क्षेत्रों का जिओ डेटाबेस तैयार कर सम्बंधित विभाग के साथ साझा करना ।	1.70		• परियोजना 2023.24 में आरम्भ हुई	• 02 शहरों (हरिद्वार एवं ऋषिकेश) के अंतर्गत चिन्हित ब्लॉक्स मे ऐलीवे एन्क्रोचमेंट क्षेत्रों का GIS डाटा बेस,	• 01 शहर (देहरादून) के अंतर्गत चिन्हित क्षेत्रों (हरबंस वाला एवं धरमपुर) मे, ऐलीवे एन्क्रोचमेंट का चिन्हीकरण	• ऐलीवे एन्क्रोचमेंट क्षेत्रों का चिन्हीकरण एवं GIS डाटा बेस	
7.	**ट्रेनिंग/वर्कशॉप क्षमताविकासकार्यक्रम**	• सुदूर संवेदन एवं जी.आई.एस. प्रणाली पर आधारित विभिन्न संस्थाओं द्वारा आयोजित प्रशिक्षण व्याख्यानों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं /सेमिनार में सहभागिता/सहयोग प्रदान करना।	2.00		• 03 एक दिवसीय वर्कशॉप।	• 01 एक दिवसीय वर्कशॉप।	02	• सुदूर संवेदन एवं जी.आई.एस. प्रणाली पर आधारित विभिन्न संस्थाओं द्वारा आयोजित प्रशिक्षण व्याख्यानों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं /सेमिनार में सहभागिता/सहयोग	

सतत विकास लक्ष्यों हेतु प्रारूप

क्र. सं.	SDG संकेतक	1–4–2023 की स्थिति (भौतिक)	31–3–2024 की संभावित स्थिति (भौतिक)	परिकल्पित आउटपुट (भौतिक स्थिति) वर्ष 2024–25	परिकल्पित आउटकम (भौतिक स्थिति) वर्ष 2024–25
2.	SDG 11	• 01 शहर क्षेत्र की (हल्द्वानी) लार्ज स्केल मैपिंग। • 1 जनपद(देहरादून)का लैण्ड यूज/लैण्डकवरमानचित्रीकरण।	• 01 शहर क्षेत्र की (टिहरी एवं उत्तरकाशी) की लार्ज स्केल मैपिंग। • 01 जनपद (चमोली) का लैण्ड यूज/लैण्ड कवर मानचित्रीकरण।	• 02 शहर क्षेत्र (रुद्रप्रयाग एवं नैनीताल) की लार्ज स्केल मैपिंग । • 01 जनपद (पौड़ी) का लैण्ड यूज/लैण्ड कवर मानचित्रीकरण।	• उच्च विभेदी उपग्रह आंकड़ों के उपयोग से राज्य के चयनित शहरों के लिये लार्ज स्केल मैपिंग करना व विभिन्न जनपदों के लियेलैण्ड यूज/लैण्ड कवर डेटाबेस तैयार करना। • भू–संसाधन प्रबंधन में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी की भूमिका विषय पर प्रशिक्षण/वर्कशॉप का आयोजन करना।
3.	SDG 13	• 01 जनपद (देहरादून) के सतही जलग्रही क्षेत्रों का मानसून से पूर्व व बाद का मानचित्रीकरण व मूल्यांकन किया गया। • 03 बेसिन (अलकनन्दा, भागीरथी, यमुना) के हिमाच्छादित क्षेत्रों का मानचित्रीकरण व मूल्यांकन किया गया।	• 02 जनपदों (टिहरी व अल्मोड़ा) के लिये मानसून से पूर्व व बाद के सतही जल ग्रही क्षेत्रों का मानचित्रीकरण व मूल्यांकन। • वर्ष 2020.21 के लिये 02 बेसिन (अलकनन्दा व पिडांरी) के हिमाच्छादित क्षेत्रों का मानचित्रीकरण व मूल्यांकन ।	• 01 जनपद (उत्तरकाशी) में स्थिति नोलों व धारों व मत्स्य पालन तालाबों का जीपीएस आधारित डेटाबेस। • 01 जनपद (उत्तरकाशी) के 03 वाटरशैड में स्थित जलसोत्रों का वाटर क्वालिटी फील्ड डेटा एकत्रिकरण कर मानचित्रीकरण • 01 बेसिन (यमुना) के हिमाच्छादित क्षेत्रों का मानचित्रीकरण व मूल्यांकन किया गया।	• हिमाच्छादित क्षेत्रों का मानचित्रीकरण व मूल्यांकन । • मत्स्य पालन तालाबों का जीपीएस आधारित डेटाबेस। • जलसोत्रों का वाटर क्वालिटी फील्ड डेटा एकत्रिकरण कर मानचित्रीकरण ।
4.	SDG 13, 1 and 15	• पौड़ीजिले के 05 ब्लाकों के लिये साल, पाइन और ओक फॉरेस्ट के बायोमास का मानचित्रीकरण आंकलन किया गया। • 01 जिले के लिये चयनित मेडिसिनल व ऐरोमेटिक पादपों का चिन्हिकरण किया गया। •	• 12 जनपदों के लिए चयनित मेडिसिनल व ऐरोमेटिक पादपों का चिन्हिकरण मानचित्रीकरण। • राजाजी टाइगर रिजर्व के 1 Motichor Range में पाए जाने वाले , आक्रामक प्रजातियों की संभावित क्षेत्रों की पहचान एवं ग्राउंड सर्वे द्वारा वेलिडेशन कर रिपोर्ट सृजन करना।	• 13 जनपदों के लिए जडी बूटी एवं औषधीय पादपों का चिन्हिकरण एवं मानचित्रिकरण पूर्व नैदानिक आषैधीय दवा के लिए करना। • 01 जिले (अल्मोडा) के 35 गांव मे खुलगाड जलागम के प्राकृतिक संसाधनो का आजीविका सृजन और आर्थिकीय उत्थान के लिए चिन्हिकरण एवं मानचित्रिकरण कर कैचमेंट एरिया ट्रिटमेंट करना। • राजाजी टाइगर रिजर्व के वन क्षेत्रों में पाए जाने वाले पादप एवं जन्तु जीवाश्मों का अध्ययन एवं संरक्षण।	• पूर्व नैदानिक आषैधीय दवा के लिए राज्य हित में चयनित जडी बूटी एवं औषधीय पादपों का मानचित्रीकरण। • प्राकृतिक संसाधनो का चिन्हिकरण एवं मानचित्रीकरण कर कैचमेंट एरिया ट्रिटमेंट करना। • राजाजी टाइगर रिजर्व के वन क्षेत्रों में पाए जान वाले पादप एवं जन्तु जीवाश्मों का अध्ययन एवं संरक्षण।
5.	SDG 15	• 90प्राकृतिक स्थलों /देवस्थलों की जैव–विविधता /प्राकृतिक तंत्र सेवाओं का आंकलन ।	• 105 प्राकृतिक स्थलों/ देवस्थलों की जैव–विविधता /प्राकृतिक तंत्र सेवाओं का आंकलन किया जायेगा।	• समस्त ज्ञात प्राकृतिक स्थलों/देव की जैव–विविधता /प्राकृतिक तंत्र सेवाओं का आंकलन करना।	• समस्त ज्ञात प्राकृतिक स्थलों/देव की जैव–विविधता /प्राकृतिक तंत्र सेवाओं का आंकलन • नेचुरल रिसोर्स एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर लेयर्स अपडेशन
6.	SDG 2	• 02 जिलों (रुद्रप्रयाग और पिथौरागढ) की रबी सीजन में सक्रिय कृषि भूमि का आंकलन।	• 01 जिले (चम्पावत) के लिए सक्रिय कृ षि भूमि का आंकलन करना। • 01 ब्लॉक (जिला ऊधमसिंह नगर) में मशीन लर्निंग विधियों का उपयोग कर कृषि एवं उसके प्रकार का आंकलन। • 03 जनपदों के एक–एक गांव को लेकर लैण्ड सुटेबिलिटी मैंपिग करना।	• 04 जिलों (उत्तरकाशी, नैनीताल, देहरादून, एवं बागेश्वर) की रबी सीजन में सक्रिय कृषि भूमि का आंकलन। • 01 जिले (अल्मोडा) के लिए वर्ष 2022–23 के टेम्पोरल सैटेलाइट डेटा से रबी सीजन (वर्ष 2019–20) की सक्रिय कृषि भूमि में परिवर्तन का पता लगाना। • 04 जिलों (अल्मोड़ा पौड़ी गढ़वाल, टिहरी गढ़वाल	• राज्य में सक्रिय कृषि भूमि का भूस्थानिक का आंकलन एवं भूमि में हुए परिवर्तन परिवर्तन का पता लगाना। • महत्वपूर्ण कृषि और बागवानी फसलों की पहचान और मानचित्रण।

				और उत्तरकाशी) के लिए बंजर भूमि का मानचित्रीकरण करना। • 04 जिलों (अल्मोड़ा पौड़ी गढ़वाल, टिहरी गढ़वाल और उत्तरकाशी) के एक–एक गांव को लेकर लैण्ड सुटेबिलिटी मैंपिग करना। • विभिन्न फसलों का कटाई से पूर्व बोये गए क्षेत्रफल का आकलन करना	
7.	SDG 11	• 01 विकासखण्ड (ऊखीमठ, रूद्रप्रयाग) की समस्त ग्राम–पंचायतों में सार्वजनिक परिसंपत्तियों का मानचित्रण।	• 01 विकासखण्ड (जखौली, रूद्रप्रयाग) की समस्त ग्राम–पंचायतों में स्थित 3000 से अधिक सार्वजनिक परिसंपत्तियों के मानचित्रण	• परियोजना का अस्थायी रूप से बंद किया जा रहा है	• परियोजना को अस्थायी रूप से बंद किया जा रहा है
	SDG 11	परियोजना नवम्बर 2023 में आरम्भ हुई	• राज्य के समस्त जनपदों में स्थित सरकारी परिसंपत्तियों को रेखीय विभागों के सहयोग से चिन्निहित कर उनकी बाउंड्री सृजन कराना	• चिन्हित परिसंपत्तियों की सैटेलाइट डाटा के आधार पर मॉनिटरिंग एवं रिपोर्टिंग	• परिसंपत्तियों के मॉनिटरिंग एवं रिपोर्टिंग हेतु जी. आई.एस. आधारित वेब बेस्ड जिओपोर्टल, मोबाइल एप्लीकेशन एवं डैशबोर्ड का सृजन
	SDG 11	• परियोजना 2023.24 में आरम्भ हुई	• 02 शहरों (हरिद्वार एवं ऋषिकेश) के अंतर्गत चिन्हित ब्लॉक्स मे ऐलीवे एन्क्रोचमेंट क्षेत्रों का GIS डाटा बेस,	• 01 शहर (देहरादून) के अंतर्गत चिन्हित क्षेत्रों (हरबंस वाला एवं धरमपुर) मे, ऐलीवे एन्क्रोचमेंट का चिन्हीकरण	• ऐलीवे एन्क्रोचमेंट क्षेत्रों का चिन्हीकरण एवं GIS डाटा बेस
9.	SDG 4	• 03 एक दिवसीय वर्कशॉप।	• 01 एक दिवसीय वर्कशॉप।	02	• सुदूर संवेदन एवं जी.आई.एस. प्रणाली पर आधारित विभिन्न संस्थाओं द्वारा आयोजित प्रशिक्षण व्याख्यानों, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं /सेमिनार में सहभागिता/सहयोग